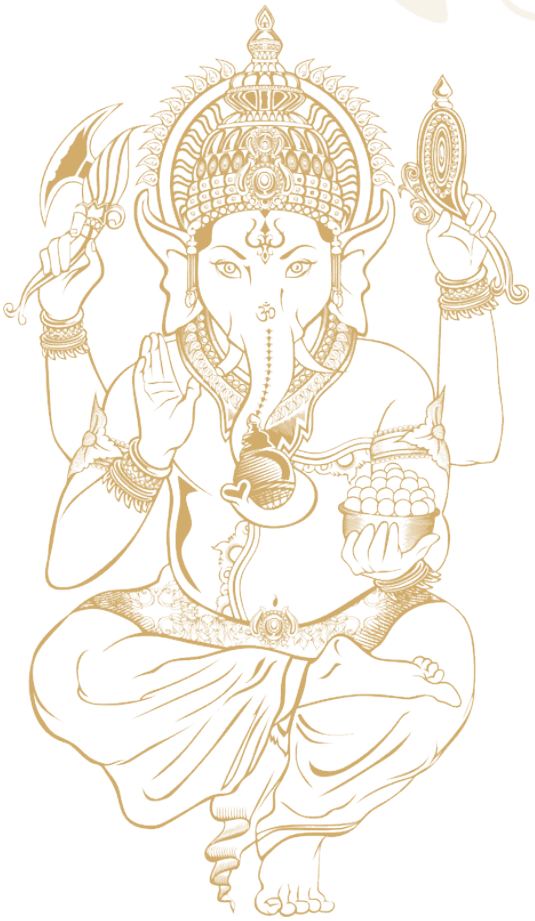

Mr. P.K. Rai

10 Aug 1987

08:40 AM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 119416005

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/08/1987**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:40:00 घंटे**
इष्ट	08:06:38 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:43:32 घंटे
वेलान्तर	-00:05:26 घंटे
साम्पातिक काल	05:55:49 घंटे
सूर्योदय	05:25:20 घंटे
सूर्यास्त	18:37:58 घंटे
दिनमान	13:12:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	23:17:58 कर्क
लग्न के अंश	05:22:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शोभन
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	05:22:55	322:53:06	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	---
सूर्य			कर्क	23:17:58	00:57:31	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	03:16:37	15:04:16	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	28:14:36	00:38:08	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध			कर्क	12:32:54	01:58:39	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	शत्रु राशि
गुरु			मेष	05:53:24	00:01:55	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	कर्क	19:41:07	01:14:03	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		वृश्चि	20:55:07	00:00:53	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	09:32:04	00:05:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
केतु	व		कन्या	09:32:04	00:05:08	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृश्चि	29:14:38	00:01:06	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
नेप	व		धनु	11:55:12	00:01:07	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो			तुला	13:36:52	00:00:47	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			मिथु	05:21:28	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:02

लग्न-चलित

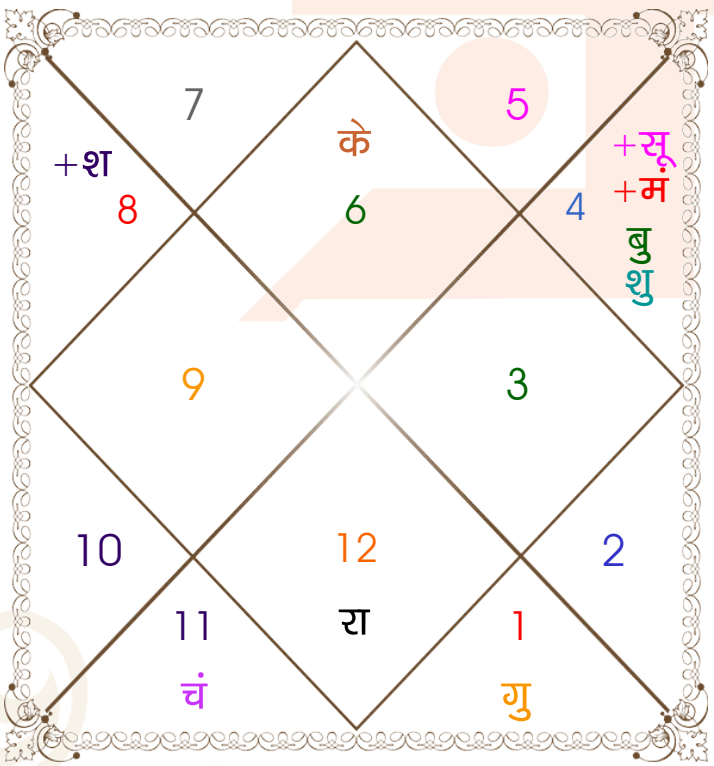

चन्द्र कुंडली

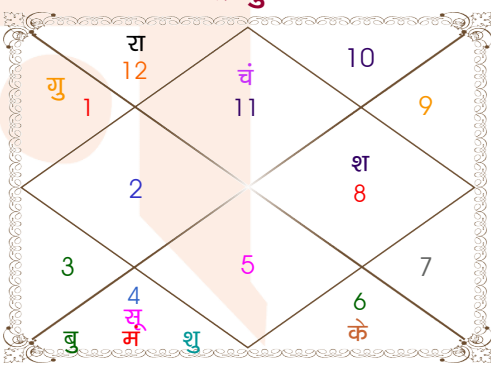

नवमांश कुंडली

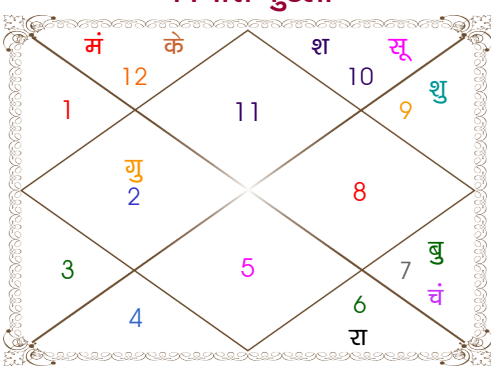

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 9 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/08/1987		21/05/1989		21/05/2007		21/05/2023		21/05/2042	
21/05/1989		21/05/2007		21/05/2023		21/05/2042		21/05/2059	
	00/00/0000	राहु	01/02/1992	गुरु	09/07/2009	शनि	24/05/2026	बुध	17/10/2044
	00/00/0000	गुरु	27/06/1994	शनि	20/01/2012	बुध	31/01/2029	केतु	14/10/2045
	00/00/0000	शनि	03/05/1997	बुध	27/04/2014	केतु	12/03/2030	शुक्र	14/08/2048
	00/00/0000	बुध	20/11/1999	केतु	03/04/2015	शुक्र	12/05/2033	सूर्य	20/06/2049
	00/00/0000	केतु	07/12/2000	शुक्र	02/12/2017	सूर्य	24/04/2034	चंद्र	20/11/2050
	10/08/1987	शुक्र	08/12/2003	सूर्य	20/09/2018	चंद्र	23/11/2035	मंगल	17/11/2051
शुक्र	14/06/1988	सूर्य	01/11/2004	चंद्र	20/01/2020	मंगल	01/01/2037	राहु	05/06/2054
सूर्य	20/10/1988	चंद्र	03/05/2006	मंगल	26/12/2020	राहु	08/11/2039	गुरु	10/09/2056
चंद्र	21/05/1989	मंगल	21/05/2007	राहु	21/05/2023	गुरु	21/05/2042	शनि	21/05/2059

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
21/05/2059		21/05/2066		21/05/2086		21/05/2092		22/05/2102	
21/05/2066		21/05/2086		21/05/2092		22/05/2102		00/00/0000	
केतु	17/10/2059	शुक्र	20/09/2069	सूर्य	08/09/2086	चंद्र	21/03/2093	मंगल	18/10/2102
शुक्र	17/12/2060	सूर्य	20/09/2070	चंद्र	09/03/2087	मंगल	20/10/2093	राहु	06/11/2103
सूर्य	23/04/2061	चंद्र	21/05/2072	मंगल	15/07/2087	राहु	21/04/2095	गुरु	12/10/2104
चंद्र	23/11/2061	मंगल	21/07/2073	राहु	08/06/2088	गुरु	20/08/2096	शनि	20/11/2105
मंगल	21/04/2062	राहु	20/07/2076	गुरु	27/03/2089	शनि	21/03/2098	बुध	18/11/2106
राहु	09/05/2063	गुरु	21/03/2079	शनि	09/03/2090	बुध	21/08/2099	केतु	16/04/2107
गुरु	14/04/2064	शनि	21/05/2082	बुध	14/01/2091	केतु	22/03/2100	शुक्र	11/08/2107
शनि	24/05/2065	बुध	21/03/2085	केतु	21/05/2091	शुक्र	20/11/2101		00/00/0000
बुध	21/05/2066	केतु	21/05/2086	शुक्र	21/05/2092	सूर्य	22/05/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 9 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरुद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com